



STUDY COURSE MATERIAL (HINDI)

SESSION-2020-21

CLASS-2

Subject – Hindi Grammer

TOPIC: वर्ण एवं मात्राएँ

DAY-1

TEACHING MATERIAL

वर्ण की परिभाषा - छोटी से छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े न हों, वर्ण कहते हैं। जैसे-अ,आ,इआदि।

वर्णमाला-वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।

वर्ण के भेद:

हिंदी भाषा में वर्ण के दो भेद होते हैं-

(1)स्वर वर्ण

(2)व्यंजन वर्ण

DAY-2

स्वर वर्ण :-जो वर्ण बिना किसी सहायता के बोले जाते हैं,स्वर वर्ण कहलाते हैं। हिंदी भाषा में स्वरों की संख्या 11हैं।

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

अयोगवाहः-'अं' अनुस्वार और अः विसर्ग अयोगवाह कहलाते हैं।

अनुनासिक :-अँ अनुनासिक वर्ण है।इसे चंद्रबिंदु भी कहते हैं।

DAY-3

व्यंजन वर्णः:-जो वर्ण स्वर की सहायता से बोले जाते हैं व्यंजन कहलाते हैं। हिंदी भाषा में व्यंजनों की संख्या 33 है।

कवर्ग क ख ख घ ङ

चवर्ग च छ ज झ ञ

टवर्ग ट ठ ड ढ ण

तवर्ग त थ द ध न

पवर्ग प फ ब भ म

अंतस्थ व्यंजन:-य र ल व

ऊष्म व्यंजन:- श ष स ह

उत्क्षिप्त व्यंजन:-हिंदी भाषा में इ और ढ उत्क्षिप्त व्यंजन कहते हैं। जैसे सीढ़ी, साड़ी ,कीड़ा आदि।

संयुक्त व्यंजन:-दो व्यंजनों के योग से बने व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। संयुक्त व्यंजन की कुल संख्या 4 है।

क्+ष=क्ष (क्षत्रिय,क्षमा)

ज्+ञ=ज्ञ (जानी,ज्ञाता)

त्+र=त्र (त्रिशूल,त्रिनेत्र)

श्+र=श्र (श्रमिक,श्रम)

स्वर के बिना व्यंजन को लिखने के लिए व्यंजन के नीचे टेढ़ीरेखा खींची जाती है इस टेढ़ी रेखा को हलंत कहते हैं।

DAY-4

मात्रा:-शब्द बनाते समय व्यंजन के साथ स्वरों का जो सूक्ष्म रूप मिलाया जाता है उसे मात्रा कहते हैं। जैसे:-

क्+इ+त्+आ+ब्+अ=किताब

म्+आ+ल्+ई=माली

र के साथ उ या ऊ की मात्रा लिखते समय इनका रूप बदल जाता है। जैसे:-

र+उ=रु

र+ऊ=रू

अ स्वर की ध्वनि सभी व्यंजनों में मिली रहती है अतः अ की कोई मात्रा नहीं होती है।

DAY-5

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रश्न 1. **वर्ण से आप क्या समझते हैं?**

उत्तर: छोटी से छोटी ध्वनि जिस के टुकड़े ना हो उसे वर्ण कहते हैं जैसे :-अ,आ,इ आदि।

प्रश्न 2. **स्वर किसे कहते हैं?**

उत्तर: जो वर्ण बिना किसी सहायता के बोले जाते हैं स्वर कहलाते हैं। स्वरों की संख्या 11 है।

प्रश्न 2. **उष्म व्यंजन कौन-कौन से हैं?**

उत्तर: श,ष,स और ह है।